डायट बुलेटिन

वाल्यूम – (i) संस्करण – (iii)

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, फरीदपुर, बरेली में रोजगार जागरूकता कार्यशाला आयोजित

प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ अमित यादव ।

बरेली। डायट परिसर में "रोजगार जागरूकता कार्यशाला" का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मनोदर्पण के परामर्शदाता डॉ. अमित यादव ने प्रशिक्षुओं को करियर चयन, मानसिक स्वास्थ्य, कार्य संस्कृति तथा व्यावसायिक मूल्यों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

अपने संबोधन में डॉ. अमित यादव ने कहा कि किसी भी कार्यक्षेत्र का चयन करने से पहले उसकी प्रकृति, संभावनाओं और चुनौतियों की समुचित जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि व्यावसायिक मूल्य प्रत्येक पेशे की आधारशिला हैं और समय की पाबंदी, अनुशासन तथा समर्पण किसी भी कर्मचारी की सफलता की पहचान होते हैं। उन्होंने सैनिक का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार एक सैनिक देश की सेवा के लिए हर समय तत्पर रहता है, उसी प्रकार प्रत्येक कर्मचारी को भी अपने दायित्वों के प्रति पूर्ण निष्ठा और समयबद्धता का परिचय देना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक का कार्य केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज निर्माण का एक मिशन है। एक आदर्श शिक्षक वही है जो अपने विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करे। शिक्षकों को विद्यार्थियों में अनुशासन, समय प्रबंधन, नैतिक मूल्यों और जीवन कौशल के विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. यादव ने कहा कि यदि किसी प्रशिक्षु को मानसिक या भावनात्मक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, तो वह मनोदर्पण आईजीआरएस टोल-फ्री सेवा के माध्यम से विशेषज्ञ परामर्श प्राप्त कर सकता है। उन्होंने प्रेरक शब्दों में कहा, "यदि समस्या है, तो उसका समाधान भी अवश्य है। खुलकर बात कीजिए, हर समस्या का समाधान संभव है।" कार्यशाला में संस्थान के सभी प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा डॉ. अमृत यादव द्वारा दिए गए सुझावों को अपने जीवन एवं व्यावसायिक व्यवहार में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के कक्षाध्यापक ने मुख्य वक्ता एवं सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देशभक्ति की गूँज

बरेली। प्रशिक्षुओं ने सुर और ताल के साथ प्रसिद्ध देशभक्ति गीत **"सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा"** का अभ्यास किया, जिससे पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया।

अभ्यास करते हुए प्रशिक्षु ।

राजेश कुमार बने डायट बरेली के प्राचार्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने प्रशासनिक व्यवस्था में फेरबदल करते हुए उप्र शैक्षिक (सामान्य शिक्षा संवर्ग) सेवा समूह-क के वरिष्ठ अधिकारी राजेश कुमार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), बरेली का नया प्राचार्य नियुक्त किया है। इस संबंध में बेसिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव अवधेश कुमार तिवारी द्वारा बुधवार को आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। अपनी नई जिम्मेदारी के तहत राजेश कुमार बरेली जिले में प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के सुदृढ़ीकरण, शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन और विभागीय प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने का कार्य संभालेंगे। बरेली डायट के नए प्राचार्य के रूप में राजेश कुमार के कंधे पर जिले की प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता सुधारने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसके साथ ही, वे जिले में शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन, विभागीय प्राथमिकताओं को धरातल पर उतारने और शिक्षण पद्धतियों में नवीन प्रयोगों को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करेंगे। स्थानीय शिक्षा जगत एवं प्रशासनिक हलकों में उनकी इस नियुक्ति को बरेली में बेसिक शिक्षा के विकास और शैक्षणिक मानकों में सुधार की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा।

डायट प्रशिक्षुओं को भेजा गया इंटर्नशिप पर

बरेली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) के डीएलएड (D.El.Ed.) प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक शिक्षण अनुभव (Practical Teaching Experience) के लिए 07 अगस्त से प्राथमिक विद्यालयों में इंटर्नशिप पर भेज दिया गया है यह इंटर्नशिप प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा के तहत आयोजित की जा रही है, जिसमें प्रशिक्षु आवंटित परिषदीय विद्यालयों में अध्यापन कार्य करेंगे। डायट प्रशासन ने सभी प्रशिक्षुओं को समय से आवंटित विद्यालयों में उपस्थिति दर्ज कराने और निष्ठा के साथ शिक्षण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

प्रशिक्षुओं ने नोटिस बोर्ड पर 'स्वतंत्रता दिवस' का संदेश दर्शाया, तिरंगे के रंगों से सजाया परिसर

स्वत्रंता दिवस के अवसर पर शोध एवं नवाचार क्लब के सदस्यों द्वारा तैयार नोटिस बोर्ड।

डायट परिसर में लगा स्वतंत्रा दिवस पर नोटिस बोर्ड।

बरेली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), फरीदपुर में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए **शोध एवं नवाचार क्लब** के सदस्यों ने "स्वतंत्रता दिवस" एक अत्यंत आकर्षक एवं रंगीन नोटिस बोर्ड तैयार किया गया। सदस्यों ने अपनी रचनात्मक सोच एवं कलात्मकता के माध्यम से पूरे नोटिस बोर्ड को तिरंगे के केसरिया, सफेद एवं हरे रंगों से सजाया। बोर्ड के मध्य में तिरंगे की वेशभूषा में एक बालिका का चित्र बनाया गया, जिसके हाथ में राष्ट्रीय ध्वज है। इसके साथ ही तिरंगे के कागज के पंखे, भारत के ऐतिहासिक स्मारकों के चित्र एवं "भारत को बनाने में मदद करने वाले लोग" शीर्षक के अंतर्गत स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी भी प्रदर्शित की गई। बोर्ड पर "मन में आजादी, शब्दों में विश्वास, दिल में गर्व, आत्मा में यादें, आइए राष्ट्र को सलाम करें" जैसे प्रेरणादायक नारे लिखे गए। साथ ही 15 अगस्त की तिथि एवं महात्मा गांधी, सरदार पटेल, डॉ. भीमराव अंबेडकर जैसे राष्ट्रीय नेताओं के चित्र भी लगाए गए। स्वतंत्रता दिवस केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि यह देश के प्रति गर्व, एकता और कर्तव्य की भावना का प्रतीक है।

डायट फरीदपुर में "हर घर तिरंगा" यात्रा निकाली गई, देशभक्ति के नारों से गूंजा वातावरण

बरेली। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, फरीदपुर, बरेली में **"हर घर तिरंगा"** अभियान के तहत तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। संस्थान की प्राचार्य के नेतृत्व में शिक्षकों एवं डी.एल.एड प्रशिक्षुओं ने हाथों में तिरंगा लेकर संस्थान परिसर से यात्रा प्रारंभ की। यात्रा के दौरान "तिरंगा हमारी शान, देश की पहचान" और "एक झंडा - एक भावना - एक भारत - श्रेष्ठ भारत" का संदेश देने वाला बैनर आकर्षण का केंद्र रहा। प्रशिक्षुओं ने पूरे जोश के साथ देशभक्ति के नारे लगाए।

हमारी जिम्मेदारी "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम्" के नारों से पूरा परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया। सभी प्रशिक्षुओं ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्र के प्रति एकता और गर्व का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त प्रवक्तागण एवं प्रशिक्षुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

तिरंगा यात्रा निकलते हुए प्रशिक्षु एवं प्रवातागण।

यात्रा के दौरान लगाए गए प्रमुख नारे इस प्रकार रहे:

1. *वंदे मातरम्*
2. *मेरी माटी, मेरा देश*
3. *मिट्टी का मान, देश का सम्मान*

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर डायट प्राचार्य, प्रवक्ताओं एवं प्रशिक्षुओं ने जीआईसी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में की सहभागिता

बरेली। 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के अवसर पर जीआईसी ऑडिटोरियम में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) की प्राचार्य, सम्मानित प्रवक्तागण एवं प्रशिक्षुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और देश के विभाजन के दौरान प्राण गंवाने वाले तथा विस्थापित हुए लोगों की स्मृति में अपनी संवेदना व्यक्त की। ऑडिटोरियम में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों, डायट प्राचार्य, प्रवक्ताओं तथा प्रशिक्षुओं ने 1947 के विभाजन की त्रासदी झेलने वाले नागरिकों के संघर्ष और त्याग को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिलाधिकारी (DM), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP/SP) समेत जिला प्रशासन व पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मौजूद डायट प्राचार्य, वरिष्ठ प्रवक्ता, डी.एल.एड प्रशिक्षु एवं प्रवातागण।

डायट के प्रशिक्षुओं ने इस अवसर पर देश की अखंडता और शांति बनाए रखने का संकल्प लिया।

डायट फरीदपुर में मुख्य विकास अधिकारी का दौरा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का जायजा लिया और दिए दिशानिर्देश

बरेली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), फरीदपुर परिसर में मुख्य विकास अधिकारी (CDO) बरेली द्वारा निर्माणाधीन 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के विकास कार्यों का औचक स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर में चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। इसके साथ ही संस्थान में राजकीय एवं अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों व प्राचार्यों के लिए आयोजित 3-दिवसीय दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों और संदर्भदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा और प्रशिक्षण व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी व प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने पठन-पाठन के स्तर में गुणात्मक सुधार लाने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया और संस्थान में आधुनिक सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया।

मुख्य विकास अधिकारी को भेट देती डायट प्राचार्य दीप्ति वार्ष्णे।

प्रधानाध्यापकों को मिला प्रभावी विद्यालय नेतृत्व का प्रशिक्षण, तीन दिवसीय "सक्षम" प्रशिक्षण सम्पन्न

(बरेली)। 24 जुलाई, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), फरीदपुर, बरेली में जनपद के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाध्यापकों के क्षमता संवर्धन हेतु आयोजित तीन दिवसीय "सक्षम" प्रशिक्षण शुक्रवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। 22 से 24 जुलाई तक आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यालयी नेतृत्व को सशक्त बनाते हुए शैक्षिक गुणवत्ता एवं विद्यालय प्रबंधन में नवाचार को बढ़ावा देना था। प्रशिक्षण के दौरान श्री कृष्ण कुमार, श्री सूर्यप्रताप सिंह, श्रीमती ममता, श्री महेंद्र पाल, श्रीमती अर्चना तथा श्रीमती वंदना सहाय ने विद्यालय नेतृत्व, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, अधिगम परिणामों में सुधार, विद्यालय विकास योजना, समावेशी शिक्षा, समुदाय की सहभागिता तथा प्रभावी शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं पर विभिन्न सत्रों का संचालन किया। प्रशिक्षण को गतिविधि-आधारित एवं सहभागितापूर्ण बनाया गया, जिससे प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समापन समारोह में प्राचार्य श्रीमती दीप्ति वार्ष्णेय ने कहा

प्रमाण पत्र देते हुए वरिष्ठ प्रवक्ता ।

कि प्रधानाध्यापक विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता के प्रमुख आधार हैं। उन्होंने प्रतिभागियों का आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभवों एवं नवाचारों को विद्यालयों में लागू कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण के उद्घाटन एवं समापन अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ प्रवक्ता श्री मनोज कुमार, श्री प्रेमसुख गंगवार तथा श्री सुनील कुमार सक्सेना भी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। प्रशिक्षण में प्रतिभागी प्रधानाध्यापकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी, व्यवहारिक एवं प्रेरणादायक बताया तथा भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

विद्यालय में मेरा पहला अनुभव: अरबाब रज़ा खां (डी.एल.एड प्रशिक्षु)

बरेली। इंटर्नशिप के पहले दिन विद्यालय पहुँचकर प्रधानाध्यापक एवं समस्त शिक्षक वृंद से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने आत्मीयता से स्वागत करते हुए विद्यालय की कार्यप्रणाली, नियमों और समय सारणी की जानकारी दी। तत्पश्चात पहली बार कक्षा में प्रवेश करते ही बच्चों की उत्सुकता और उत्साह देखने योग्य था। अपना परिचय देने के बाद बच्चों से संवाद स्थापित किया, जिससे उनके बीच का झिझक भाव समाप्त हुआ और वे सहज हो गए। अनुभवी शिक्षकों को पढ़ाते हुए देखा और समझा कि प्राथमिक स्तर के बच्चों को खेल-खेल में, रोचक गतिविधियों और टी.एल.एम. (TLM) के माध्यम से कैसे पढ़ाया जाता है। पहले ही दिन मुझे यह महसूस हुआ कि एक शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना नहीं, बल्कि बच्चों में सीखने के प्रति रुचि और अनुशासन जगाना है।

प्राथमिक विद्यालय में मेरा पहला अनुभव: तरन्नुम (डी.एल.एड प्रशिक्षु)

बरेली। इंटर्नशिप के प्रथम दिन समय पर विद्यालय पहुँचकर प्रधानाध्यापक एवं समस्त शिक्षण staff से भेंट की। सभी ने उत्साहवर्धक वातावरण में मेरा स्वागत किया और विद्यालय की दैनिक दिनचर्या से अवगत कराया। प्रातःकालीन सभा (Morning Assembly) में बच्चों के साथ प्रार्थना, राष्ट्रगान और विचार-प्रस्तुति में भाग लिया, जिससे दिन की शुरुआत बहुत ही ऊर्जावान और सकारात्मक रही। कक्षा वातावरण और बच्चों से संवाद: इसके पश्चात मुझे कक्षा का अवलोकन करने का अवसर मिला। कक्षा में प्रवेश करते ही बच्चों के चेहरे पर उत्सुकता और जिज्ञासा की झलक थी। मैंने आत्मीयता से अपना परिचय दिया और बच्चों से उनके नाम व रुचियों के बारे में बातचीत की। इस संवाद से बच्चों के मन का झिझक भाव दूर हुआ और कक्षा में एक सहज व अनुशासित माहौल बना। अवलोकन के दौरान वरिष्ठ शिक्षकों के अध्यापन कौशल को ध्यानपूर्वक देखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राथमिक स्तर पर बच्चों को केवल किताबों से नहीं, बल्कि टी.एल.एम. (Teaching Learning Material), खेल-कूद और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से प्रभावी ढंग से कैसे सिखाया जाता है। मैंने भी बच्चों की छोटी-छोटी समस्याओं को सुलझाने में सहायता की।दोपहर में मध्याह्न भोजन (Mid-Day Meal) के समय बच्चों के बीच अनुशासन, स्वच्छता और सामाजिक सद्भाव का प्रत्यक्ष अनुभव हुआ। बच्चों को हाथ धोने से लेकर कतार में बैठकर भोजन करने तक की आदतों को देखना बाल-मनोविज्ञान को समझने का एक बेहतरीन अवसर था। इंटर्नशिप का पहला दिन मेरे लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और स्मरणीय रहा। इस अनुभव ने मुझे न केवल एक शिक्षक के उत्तरदायित्वों, धैर्य और समय प्रबंधन की महत्ता समझाई, बल्कि भावी शिक्षक के रूप में मेरे भीतर एक नया आत्मविश्वास भी जगाया।

प्राथमिक विद्यालय में मेरा पहला अनुभव: फहमीना (डी.एल.एड प्रशिक्षु)

बरेली। इंटर्नशिप के प्रथम दिन निर्धारित समय पर प्राथमिक विद्यालय में उपस्थिति दर्ज कराई। सबसे पहले प्रधानाध्यापक कक्ष में जाकर अपनी इंटर्नशिप से संबंधित कार्यमुक्त आदेश प्रस्तुत किए। प्रधानाध्यापक जी ने बहुत ही सहृदयता से स्वागत करते हुए विद्यालय के दैनिक अनुशासन, समय सारणी और विभिन्न अध्यापकों के कार्य-विभाजन के बारे में जानकारी दी। टी बजते ही सभी बच्चों के साथ प्रातःकालीन सभा में प्रतिभाग किया। प्रार्थना, 'आज का विचार', समाचार वाचन और राष्ट्रगान के दौरान बच्चों में अनुशासन और देशभक्ति का भाव देखकर बहुत अच्छा लगा। सभा के अंत में प्रधानाध्यापक जी ने सभी बच्चों और शिक्षकों के समक्ष मेरा परिचय कराया। मुझे आवंटित कक्षा में पहुँचकर मैंने पहले दिन मुख्य रूप से शिक्षण-व्यवस्था और बच्चों के व्यवहार का अवलोकन (Observation) किया। बच्चे शुरुआत में थोड़े झिझक रहे थे, लेकिन जब मैंने उनसे खेल, उनकी पसंदीदा कहानियों और चित्रों के बारे में बातें कीं, तो वे बहुत खुश होकर अपनी बातें साझा करने लगे। शिक्षण कार्य के दौरान यह अनुभव किया कि छोटे बच्चों को पाठ्यपुस्तक से ज़्यादा टी.एल.एम. (TLM), चार्ट, मॉडल और कविताओं के माध्यम से सिखाना अधिक प्रभावी होता है। वरिष्ठ शिक्षकों ने जिस सहजता से कठिन संप्रत्ययों (Concepts) को सरल बनाकर समझाया, वह मेरे लिए सीखने योग्य था। दोपहर में मध्याह्न भोजन (MDM) के दौरान बच्चों की कतारबद्ध व्यवस्था, स्वच्छता की आदतें (हाथ धोना) और परस्पर सहयोग की भावना देखने को मिली। अंतिम सत्र में बच्चों को खेल-कूद और चित्रकला जैसी गतिविधियों में व्यस्त देखा। पहले दिन के इस अनुभव ने मुझे एक आदर्श शिक्षक बनने की दिशा में बहुत प्रेरणा दी। मुझे यह समझ आया कि प्राथमिक शिक्षा का मूल आधार केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों के साथ आत्मीय संबंध बनाकर उनके सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करना है।

विद्यालय में मेरा प्रथम अनुभव: वंदना सिंह (डी.एल.एड प्रशिक्षु)

बरेली। जब मैं पहली बार विद्यालय गई, तो मुझे एक नए वातावरण का अनुभव हुआ। मैंने देखा कि बच्चे कितने उत्साहित और ऊर्जावान थे, और मुझे उनके साथ सीखने और पढ़ाने का अवसर मिला। यह मेरा विद्यालय में पहला व्यावहारिक अनुभव था, जहाँ मुझे केवल एक विद्यार्थी के रूप में नहीं, बल्कि एक शिक्षक प्रशिक्षु (Teacher Trainee) के रूप में जाना था। पहले दिन विद्यालय का वातावरण देखने और शिक्षकों व छात्रों से मिलने का अवसर मिला। विद्यालय की प्रार्थना सभा में भाग लेना, बच्चों के अनुशासन और उत्साह को देखना एक प्रेरणादायक अनुभव था। इस इंटर्नशिप के दौरान मैंने जाना कि पढ़ाना केवल विषय का ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्रों को समझना, उनके सवालों का उत्तर देना और प्रेरित करना भी शिक्षक की भूमिका का हिस्सा है। छात्रों के साथ संवाद स्थापित हुआ और कई बार उन्होंने मुझे "दीदी" या "मैम" कहकर बुलाया, जिससे एक जुड़ाव महसूस हुआ।वि द्यालय में मेरा पहला दिन एक यादगार अनुभव था, जिसने मुझे नए लोगों से मिलने और सीखने का अवसर दिया। इस अनुभव ने मुझे भविष्य में विद्यालय के जीवन के लिए तैयार किया और मुझे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कुछ मुख्य बातें जो मैंने सीखी— इंटर्नशिप के दौरान बच्चों के साथ मेरा सीखने-सिखाने का अनुभव बहुत ही सकारात्मक और यादगार रहा। मैंने देखा कि बच्चे कितनी जल्दी सीखते हैं और नई चीजों को समझने की उनकी क्षमता अद्भुत है।

कुछ मुख्य बातें जो मैंने सीखी— * बच्चों की मासूमियत: बच्चे बहुत ही मासूम और ईमानदार होते हैं, और उनकी इस मासूमियत ने मुझे बहुत प्रेरित किया।

* सीखने की इच्छा – बच्चे सीखने के लिए बहुत उत्साहित होते हैं और उनकी इस उत्सुकता ने मुझे उन्हें सिखाने के लिए प्रेरित किया।

* गतिविधियों का महत्व – मैंने देखा कि गतिविधियों और खेलों के माध्यम से बच्चे बहुत कुछ सीखते हैं, और इससे मुझे अपनी शिक्षण पद्धति में सुधार करने में मदद मिली। इंटर्नशिप के दौरान मुझे बच्चों के साथ काम करने का बहुत अच्छा अनुभव मिला, और इससे मुझे एक शिक्षक के रूप में अपने कौशल में सुधार करने में मदद मिली।

शिक्षकों से प्राप्त मार्गदर्शन— इंटर्नशिप के दौरान शिक्षकों से प्राप्त मार्गदर्शन अत्यंत मूल्यवान सिद्ध हुआ। उन्होंने न केवल विषय से जुड़ी गहरी जानकारी दी, बल्कि व्यावहारिक अनुभवों को समझने में भी सहायता की। शिक्षकों ने हमें समय प्रबंधन, कार्य नैतिकता और टीम वर्क के महत्व को समझाया। जब कभी किसी समस्या का सामना करना पड़ा, उन्होंने धैर्यपूर्वक उसका समाधान सुझाया और आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

कक्षा प्रबंधन और पाठ योजनाओं के बारे में आपके अनुभव— इंटर्नशिप के दौरान कक्षा में पढ़ाने का अनुभव मेरे लिए अत्यंत शिक्षाप्रद रहा। मैंने न केवल विषयवस्तु के अनुसार विद्यार्थियों के अनुसार प्रस्तुत करना सीखा, बल्कि कक्षा को व्यवस्थित और अनुशासित बनाए रखने की महत्वपूर्ण कला भी सीखी।

कक्षा प्रबंधन के अनुभव:

→ मैंने यह समझा कि एक सफल शिक्षक वह होता है जो विद्यार्थियों के बीच अनुशासन और सकारात्मक वातावरण बनाए रखे।

→ सभी विद्यार्थियों को समान अवसर और ध्यान देना आवश्यक होता है, ताकि वे खुलकर सीख सकें।

→ मैंने सीखा कि कक्षा को कैसे व्यवस्थित करना है और छात्रों को कैसे प्रेरित करना है।

→ मैंने देखा कि कक्षा प्रबंधन में अनुशासन, समय प्रबंधन और छात्रों की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

→ मैंने कक्षा में छात्रों के साथ संवाद करने और उनकी जरूरतों को समझने के तरीके सीखे।

→ प्रोत्साहन और प्रशंसा जैसे सकारात्मक व्यवहार प्रबंधन के तरीकों ने अच्छा असर डाला।

पाठ योजनाओं के अनुभव

* मैंने सीखा कि पाठ योजनाएँ कैसे बनाई जाती हैं और उनका महत्व क्या है।

* मैंने देखा कि पाठ योजनाएँ छात्रों की जरूरतों और लक्ष्यों के अनुसार बनाई जानी चाहिए।

* मैंने पाठ योजनाओं में गतिविधियों और मूल्यांकन के तरीकों को शामिल करने के तरीके सीखे।

इस अनुभव ने मुझे सिखाया कि एक शिक्षक के रूप में मेरा काम न केवल छात्रों को ज्ञान प्रदान करना है, बल्कि उन्हें...आत्मविश्वास और प्रेरणा भी देना है।

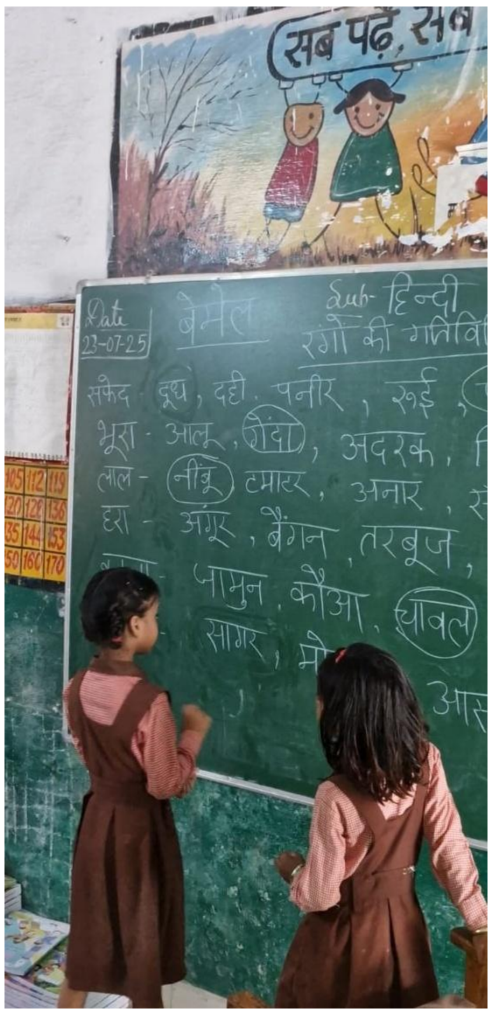

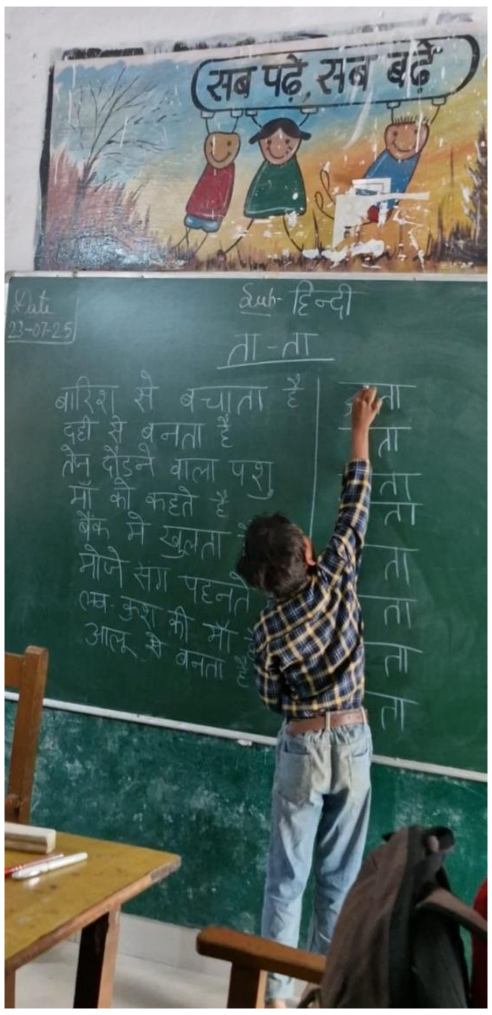

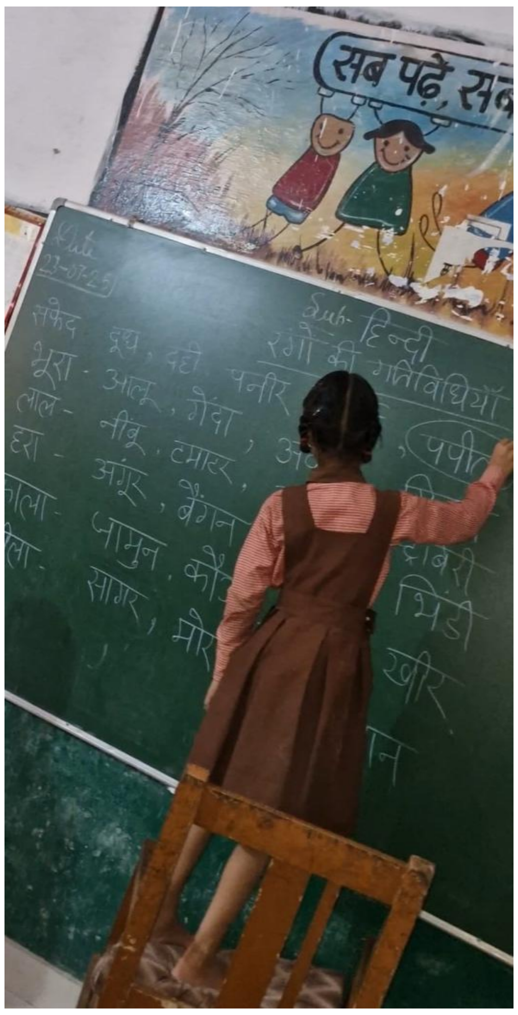

प्राथमिक विद्यालय बेहटी जागीर (वंदना सिंह, डी.एल.एड 2024)

प्राथमिक विद्यालय उमरिया सैदपुर (अरबाब रज़ा खां,मोहम्मद सादान, डी.एल.एड 2025)

प्राथमिक विद्यालय वहानपुर (तरन्नुम, डी.एल.एड 2025)

प्राथमिक विद्यालय वहानपुर (फ़हमीना, डी.एल.एड 2025)

विभिन्न गणितीय चिह्नों की पहचान

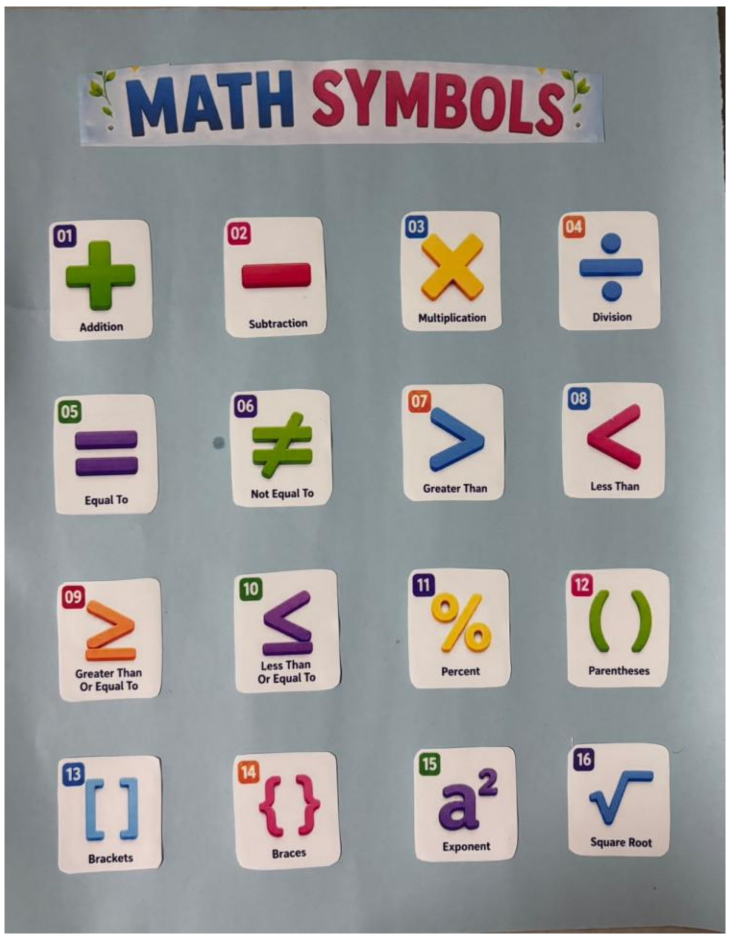

डी.एल.एड प्रशिक्षु तरन्नुम द्वारा बनाया गया TLM ।

यह TLM "गणितीय प्रतीक" विद्यार्थियों को विभिन्न गणितीय चिह्नों की पहचान और सही प्रयोग सिखाने के लिए बनाया गया है। इसमें जोड़ (+), घटाव (−), गुणा (×), भाग (÷), बराबर (=), बराबर नहीं (≠), बड़ा (>), छोटा (<), बड़ा या बराबर (≥), छोटा या बराबर (≤), प्रतिशत (%), कोष्ठक, वर्ग कोष्ठक, घात और वर्गमूल जैसे प्रतीक दिए गए हैं। रंगीन और आकर्षक प्रस्तुति विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित करती है। शिक्षक इसके माध्यम से उदाहरण और गतिविधियाँ करा सकते हैं। इससे विद्यार्थियों की गणितीय समझ, तर्कशक्ति और प्रतीकों के प्रयोग की क्षमता विकसित होती है। यह TLM सरल, उपयोगी, प्रभावी और पुनः प्रयोग योग्य है।

तरन्नुम
डी.एल.एड 2025-27

मल्टीप्लिकेशन टेबल व्हील

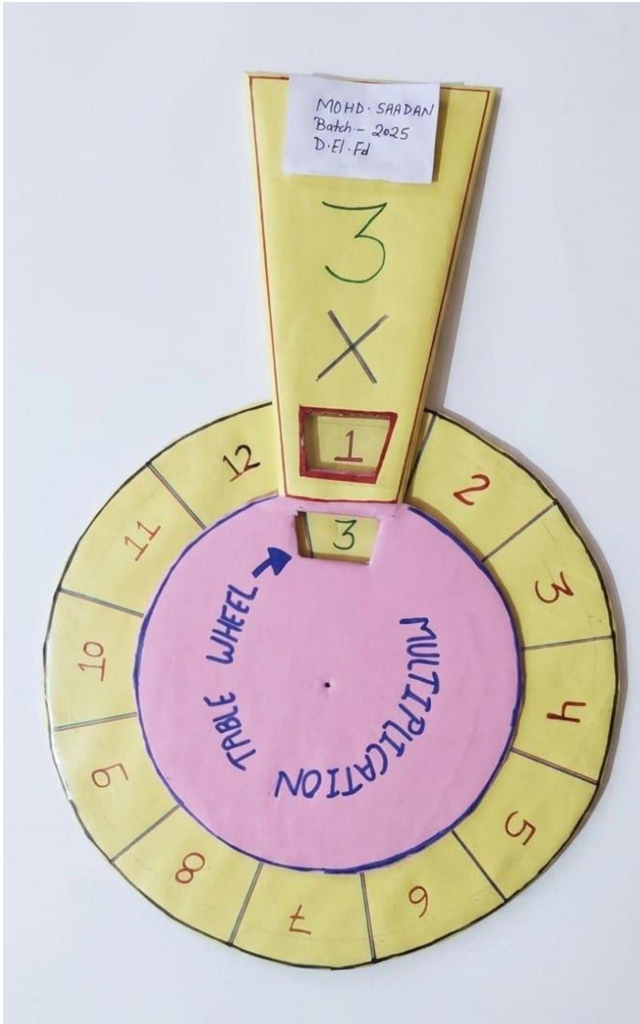

डी.एल.एड प्रशिक्षु मोहम्मद सादान द्वारा बनाया गया TLM ।

एक टीएलएम (TLM - Teaching Learning Material / शिक्षण अधिगम सामग्री) है। यह गणित (Maths) में पहाड़े (Tables) और गुणा को आसानी से सीखने का एक वर्किंग मॉडल है।बच्चों में गणित के प्रति रुचि पैदा करना।पहाड़े याद करने के तनाव को कम करना।बच्चों की मानसिक क्षमता और तार्किक सोच का विकास करना।बिना बोर हुए खेल-खेल में अभ्यास कराना।

मोहम्मद सादान
डी.एल.एड 2025-27

अंग्रेज़ी वर्णमाला सिखाने की एक प्रभावी शिक्षण-सामग्री

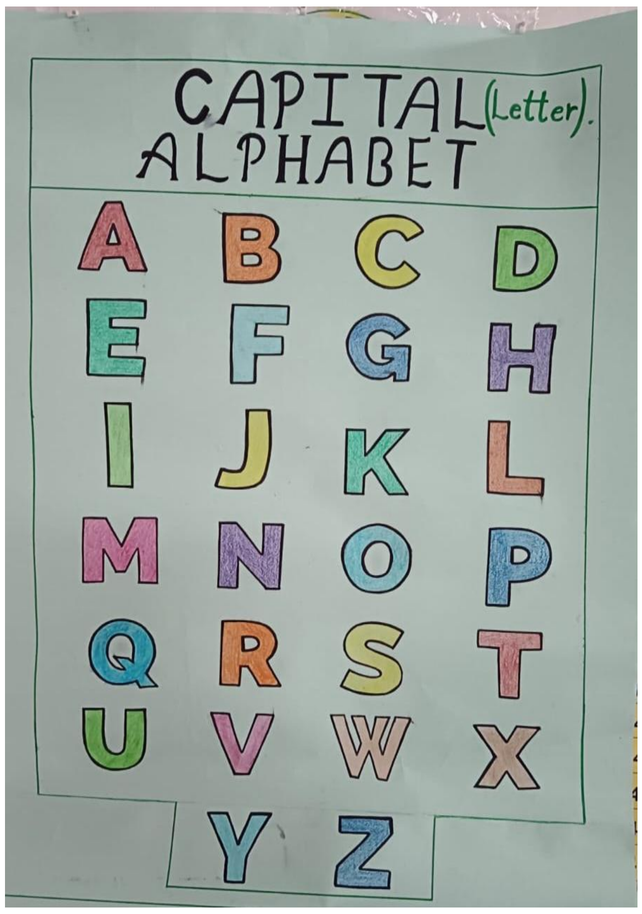

डी.एल.एड प्रशिक्षु गुनगुन द्वारा बनाया गया TLM ।

TLM अर्थात् Teaching Learning Material, बच्चों को अंग्रेज़ी वर्णमाला सिखाने की एक प्रभावी शिक्षण-सामग्री है। इसके माध्यम से बच्चों को A से Z तक के 26 अक्षरों की पहचान, उच्चारण और लेखन आसानी से सिखाया जाता है। TLM में रंगीन अक्षर, चित्र, कार्ड, चार्ट और वस्तुओं के उदाहरण शामिल किए जा सकते हैं। जैसे A से Apple, B से Ball और C से Cat इससे बच्चों की सीखने में रुचि बढ़ती है और वे खेल-खेल में अंग्रेज़ी सीखते हैं। TLM बच्चों की स्मरण शक्ति, शब्दावली, उच्चारण और लेखन कौशल को विकसित करने में सहायता करता है। यह कक्षा को अधिक रोचक और प्रभावी बनाता है।

गुनगुन
डी.एल.एड 2025-27

शरीर की संरचना एवं उसके अंग प्राथमिक विद्यार्थियों के लिए समझ

डी.एल.एड प्रशिक्षु फहमीना द्वारा बनाया गया TLM ।

TLM के शरीर के अंगों के बारे में समझना शरीर की संरचना और कार्यों को जानने में मदद करता है। इसमें मुख्य रूप से सिर, गर्दन, कंधे, हाथ, छाती, पेट, पीठ, पैर और पैरों के विभिन्न अंग शामिल होते हैं। प्रत्येक अंग का अपना विशेष कार्य होता है। सिर में मस्तिष्क, आँख, कान, नाक और मुँह होते हैं, जो शरीर को नियंत्रित करने और आसपास की जानकारी प्राप्त करने में सहायता करते हैं। हाथ और पैर चलने-फिरने तथा दैनिक कार्य करने में मदद करते हैं। छाती और पेट में कई महत्वपूर्ण आंतरिक अंग स्थित होते हैं। सभी अंग मिलकर शरीर को स्वस्थ और सक्रिय बनाए रखते हैं।

फहमीना डी.एल.एड 2025-27

स्वतंत्रता दिवस

डायट परिसर में हुए कार्यक्रम की झलकिया

स्वतंत्रता दिवस

डायट परिसर में हुए कार्यक्रम की झलकिया

कविताएँ

फरीदपुर, बरेली। अगस्त 2026

गणित का गीत

कुमुद कांत यादव
पद :ARP गणित
ब्लॉक : मीरगंज

संख्याओं का खेल निराला, जोड़-घटाना है मतवाला,
एक से दस तक चलते जाएँ, फिर सैकड़ों में खोते जाएँ।

गुणा के तारे झिलमिल करते, सारणी में चित्र उतरते,
दो दुनी चार, तीन तिया नौ, सीखो तो यह कितना सो।

भाग बताए बाँट के किस्से, बराबर हों हिस्से-हिस्से,
शेष बचा जो, समझो बात, नियमों से होता है साथ।

भिन्न है हिस्सों की भाषा, आधा, चौथाई की आशा,
दशमलव का नन्हा बिंदु, जोड़ दे दूरी के अंतर-बिंदु।

ज्यामिति के रूप निराले, कोण, त्रिभुज, वृत्त के छाले,
रेखा सीधी, बिंदु छोटा, आकारों का जग है मोटा।

बीजगणित का राज अद्भुत, x-y में छिपा है सुष्ठु,
समीकरण के प्रश्न सुलझाओ, मान निकालो, उत्तर पाओ।

समय, दूरी, गति की बातें, जीवन में काम की थाती,
सूत्र कहें धीरे-धीरे, कदम बढ़ा ओ, डग-डग जी रे।

गणित सिखाए सोच निराली, बुद्धि बने तेज, खुशहाली,
रोज़-रोज़ अभ्यास कर लो, डर को दूर मकान कर लो।

आओ मित्रों, संग मिल-बैठें, प्रश्नों के दीपक हम पेटें,
गणित का यह प्यारा गाना, पढ़ते-पढ़ते बनें सयाना।

दुश्मन को तुम मित्र न जानो

स्रोत जैमिनी ।

मिली एक तुलसी की माला,
लेकर उसे गले में डाला।
तन पर अपने राख लगाया,
बैरागी का रूप बनाया।

बिल्ली चली प्रयाग नहाने,
चूहों से बोली हे प्यारे।
क्षमा करो अपराध हमारे,
मैंने किए हज़ारों पाप।
तुम्हें दिए कितने संताप,

कर सब उन पापों का ख्याल।
अब जाती हूँ तीरथ करने,
राम राम रट रट कर मरने।

पकड़ो तुम सब मेरा हाथ,
तीरथ करो हमारे साथ।
सब चूहों ने पकड़ा हाथ,
ज्यों ही पहुँचे पुल के पास।
करने लगी बिलइया नाश,

दुश्मन को तुम मित्र न जानो।
अनुभव करो, सत्य पहचानो,

- अनुज कुमार कश्यप (स. अ.)
राष्ट्रीय कृषि एवं उद्योग इंटर कॉलेज
सिरौली, बरेली

जिंदगी का सफर

जिंदगी एक चलती हुई ट्रेन है,
हर पल एक नया इम्तिहान है।
रास्ते मे मुश्किले भी मिलेगी,
कभी खुशियां तो कभी तूफान है।

तनाव, परेशानियाँ और दर्द आएंगे,
कदम -कदम पर हमें आजमांएगे।
जो हिम्मत से आगे बढ़ता जाएगा,
वही अपनी मंज़िल को पाएगा।

मंज़िल की खुशी जब गले लगाएगी,
हर तकलीफ छोटी नजर आएगी।
यही जिंदगी का सबसे बड़ा पैगाम है। मेहनत और हौसले से ही इंसान महान है!

मुस्कान
प्रशिक्षु डी.एल.एड. 2025

शिक्षा क्यों ज़रूरी है

शिक्षा जीवन की पहचान है,
हर सपने की यह उड़ान है।
ज्ञान से मन में दीप जलता,
अज्ञान का अँधेरा ढलता।

शिक्षा हमें समझदार बनाती,
सही राह पर कदम बढ़ाती।
अपने अधिकारों को समझाती,
आत्मविश्वास हमारे मन में जगाती।

पढ़-लिखकर हम आगे बढ़ते,
मुश्किल राहों से नहीं डरते।
शिक्षा से मिलती नई दिशा,
जीवन में आती नई आशा।

बेटा हो या बेटी प्यारी,
शिक्षा है सबकी जिम्मेदारी।
हर बच्चे को पढ़ने दें,
उसके सपनों को उड़ने दें।

शिक्षित होगा घर-परिवार,
तभी बनेगा देश महान।
ज्ञान की ज्योति जलाते चलें,
भारत को आगे बढ़ाते चलें।

मो० शाहरुख प्रशिक्षु डी.एल.एड. 2025

बदलते सरकारी स्कूल

स्रोत जैमिनी ।

प्राईमरी ने है कसी कमर,
जूनियर ने ली जिम्मेदारी।
देखो - देखो अब आई,
सरकारी बच्चों की बारी।

आदिल राजू मीना सोनू,
जॉनी पिंकी और शमशुल।
खेलें - कूदें - नाचें - गाएँ,
आपस में रहते मिल-जुल।
उनमें सबसे छोटी मुन्नी,
मैडम की है सबसे प्यारी।
देखो - देखो अब आई,
सरकारी बच्चों की बारी।

सुंदर बोल सुनहरा लेख,
बोलें अंग्रेजी भाषा।
कविता और कहानी है,
इनके मन की अभिलाषा।
दूर गाँव में नहीं रही,
पढ़ने-लिखने की दुश्वारी।
देखो - देखो अब आई,
सरकारी बच्चों की बारी।

हम बच्चे भारत माँ के,
हम कलाम बन जाएँगे।
विश्व पटल पे भारत का,
हम सलाम बन जाएँगे।
निर्भीक तिरंगा फहरेगा,
देखेगी दुनिया सारी।
देखो - देखो अब आई,
सरकारी बच्चों की बारी।

सौरभ शुक्ला (सहायक अध्यापक)
प्रा0 वि0 पिपरिया, वि.क्षे. भोजीपुरा, बरेली

ज्ञान की राह: ज्योति देवी प्रशिक्षु 2025

पढ़ाई से जीवन में उजियारा आता,
हर सपना सच होने का रास्ता दिखाता।
किताबों के पन्नों में छिपा है संसार,
ज्ञान से मिलता है जीवन का आधार ।
मेहनत की कलम जब चलती है,
तो सफलता हर कदम पर मिलती है।
जो रोज सीखने का संकल्प निभाता,
वही जीवन में ऊंचा मुकाम पता ।
आओ मिलकर पढ़ने की ठान ले,
अपने सपनों को सच पहचाने।
ज्ञान ही सबसे बड़ा धन है,
इसी से उज्जवल अपना जीवन है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

बेसिक जानकारी

- **संस्करण:** 23वां राष्ट्रमंडल खेल
- **मेजबान:** ग्लासगो, स्कॉटलैंड
- **तारीख:** 23 जुलाई से 2 अगस्त 2026 (11 दिन)
- **उद्घाटन स्थल:** OVO Hydro Arena, ग्लासगो - इतिहास में पहली बार इंडोर ओपनिंग सेरेमनी

उद्घाटन किसने किया: किंग चार्ल्स III। कुल देश: 74 देश (2022 में 72 थे)। गैबॉन और टोगो ने पहली बार हिस्सा लिया।

क्यों चर्चा में?

पहले मेजबान ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य ने खर्च बढ़ने के कारण 2023 में मना कर दिया था। फिर ग्लासगो ने कम बजट में इसकी मेजबानी ली। यह सबसे सस्ता कॉमनवेल्थ गेम्स है।

लोगो, शुभंकर और मेडल

- **शुभंकर (Mascot) का नाम:** फिन्नी (Finnie) - एक यूनिकॉर्न जिसका सींग ट्रैफिक कोन है। इसे ग्लासगो के स्कूली बच्चों ने बनाया है।
- **मेडल की डिजाइन:** पहली बार Reuleaux Triangle (तीन वक्र वाला त्रिकोण) आकार का मेडल और ब्रेल लिपि वाला मेडल।
- **किंग्स बैटन:** इस बार हर देश के लिए अलग-अलग संस्कृति वाला बैटन बनाया गया था। 7697

खेल (Sports)

इस बार सिर्फ **10 खेल** रखे गए हैं, ताकि खर्च कम हो।

एथलेटिक्स, स्विमिंग, आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक, ट्रैक साइकिलिंग, नेटबॉल, वेटलिफ्टिंग, बॉक्सिंग, जूडो, बाउल्स और 3x3 बास्केटबॉल।

हटाए गए खेल: बैडमिंटन, हॉकी, क्रिकेट, कुश्ती, टेबल टेनिस, रग्बी 7s - इसी वजह से भारत को नुकसान हुआ।

भारत से जुड़े करेंट अफेयर्स

- **भारतीय दल:** 122-126 खिलाड़ी (78 पुरुष, 48 महिला) ने 10 खेलों में हिस्सा लिया।
- **ओपनिंग सेरेमनी में ध्वजवाहक:** मीराबाई चानू (तिरंगा वाहक) और लवलीना बोरगोहेन (बैटन वाहक)
- **क्लोजिंग सेरेमनी में ध्वजवाहक:** जैस्मिन लम्बोरिया (विश्व चैंपियन बॉक्सर)
- **भारत का प्रदर्शन - ऐतिहासिक:** कुल *39 मेडल - 13 गोल्ड, 17 सिल्वर, 9 ब्रॉन्ज* के साथ भारत *चौथे स्थान* पर रहा।

रिकॉर्ड्स:

- मीराबाई चानू ने तीसरा लगातार CWG गोल्ड जीता - ऐसा करने वाली दूसरी भारतीय।
- गुलवीर सिंह एक ही CWG में 2 व्यक्तिगत मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलेटिक्स खिलाड़ी बने।
- बॉक्सिंग में भारत ने 10 मेडल (7 गोल्ड) जीते - किसी भी देश का एक खेल में सबसे ज्यादा।
- जूडो में भारत ने पहली बार गोल्ड जीता।

अगले अंक हेतु आमंत्रण

प्रिय पाठकगण,

DIET मासिक बुलेटिन के आगामी अंक के लिए आपकी रचनाओं एवं योगदानों का स्वागत है। आप अपने लेख, कविता, लघु कहानी, अनुभव, पुस्तक समीक्षा, शैक्षिक विचार, नवाचार, चित्रकला, फोटोग्राफ तथा संस्थान की गतिविधियों से संबंधित सामग्री हमारी **g-mail ricdietbareilly@gmail** पर भेज सकते हैं।
अपनी प्रविष्टियां प्रतिमाह की दिनांक 20 तक उपलब्ध करा सकते हैं जिस में से चयनित प्रविष्टियों को आगामी अंक में सम्मिलित किया जाएगा । आइए, अपने विचारों, रचनात्मकता और नवाचारों को साझा करें तथा इस बुलेटिन को ज्ञान, शिक्षा, नवाचार और प्रेरणा का सशक्त मंच बनाएं।

संपादकीय मंडल
DIET मासिक बुलेटिन

"टाइम मैनेजमेंट "

कॉलेज की पढ़ाई और कंपटीशन एग्जाम की तैयारी को एक बैलेंस करने के तरीके

1). 80/20 - सिलेबस का परीक्षण करें। हर परीक्षा में 20% टॉपिक ऐसे होते हैं जिनसे 80% सवाल पूछे जाते हैं। ऐसे टॉपिक्स की लिस्ट बनाएं और उन्हें पूरा करें।

2). रोजाना 'करंट अफेयर्स'- 30 मिनट

अखबार यह किसी भरोसेमंद अप से रोजाना 30 मिनट देश-दुनिया की खबरों को दें। क्योंकि इन सबको दिन पहले रटना मुश्किल है जिससे तनाव भी हो सकता है।

3). मॉक टेस्ट - हफ्ते में कम से कम एक मॉक टेस्ट अवश्य दें। इससे यह पता चलेगा कि कितने सवाल गलत हुए और क्यों हुए। फिर उन प्रश्नों पर ध्यान दें।

सवाल --

यदि किसी कोड लैंग्वेज में KITE को 9-7-18-3 लिखा जाता है तो BIRD को कैसे लिखेंगे?

सौजन्य: से कविता सिंह, डी.एल.एड 2025

सौजन्य से: नीतू गुप्ता, डी.एल.एड 2024

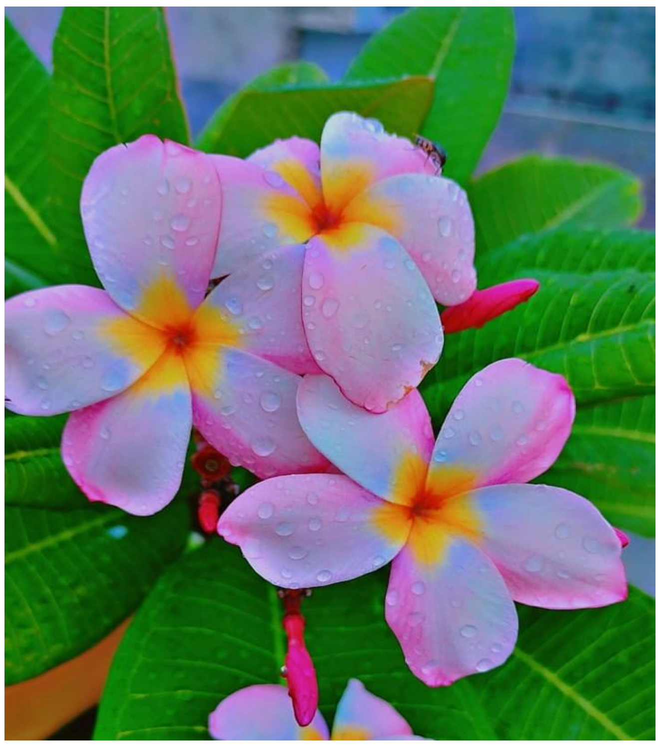

सौजन्य से: नीतू गुप्ता, डी.एल.एड 2024

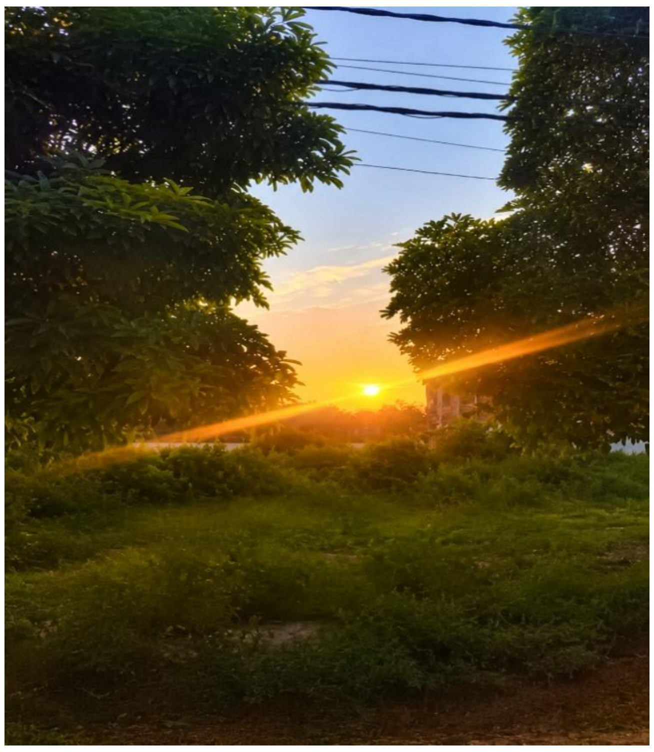

सौजन्य से: सुहानी वर्मा, डी.एल.एड 2025

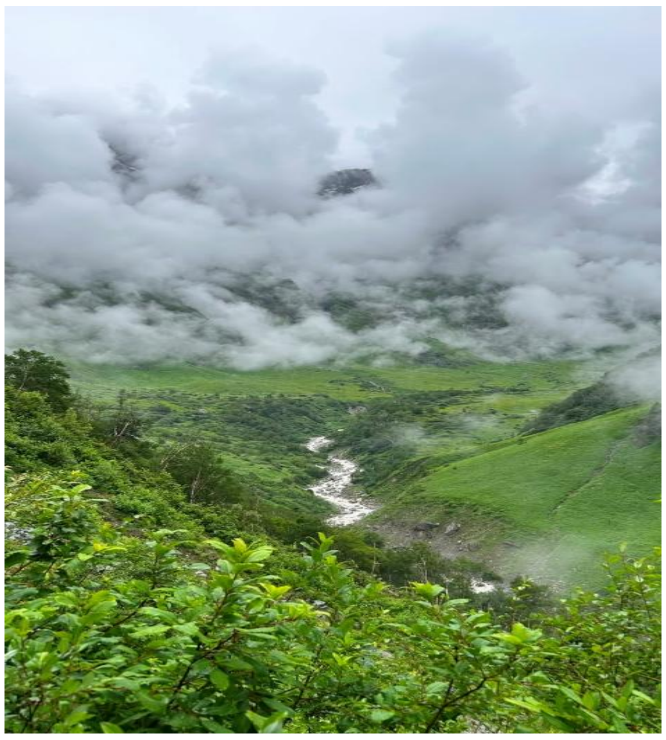

सौजन्य से: कृतिका तिवारी , डी.एल.एड 2025

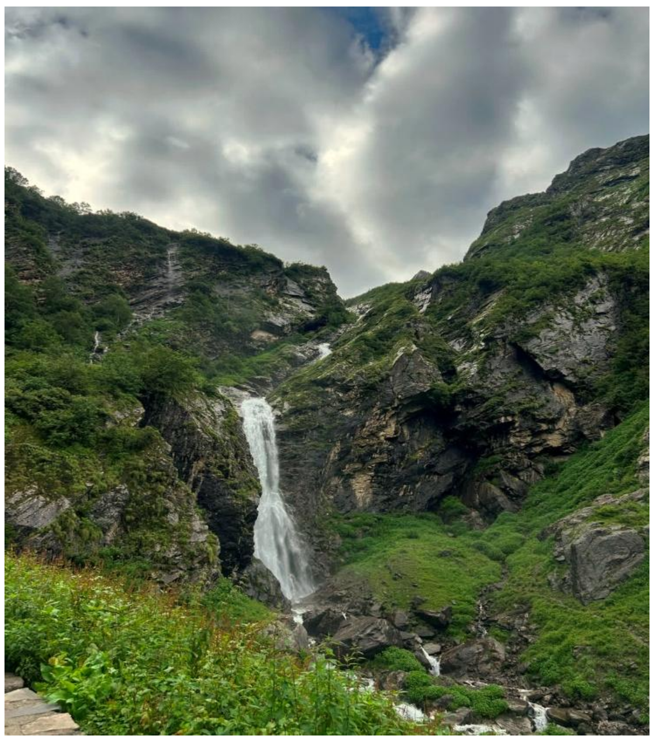

सौजन्य से: कृतिका तिवारी , डी.एल.एड 2025

सौजन्य से: अनु तोमर , डी.एल.एड 2025

स्पोर्ट्स

फरीदपुर, बरेली। अगस्त 2026

प्रेरणा, अभ्यास और अनुशासन: खेल की दुनिया में शिखर छूने का त्रिकोण।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बरेली में डी.एल.एड 2025 बैच के प्रशिक्षुओं के लिए आयोजित हुई नवाचारी गतिविधि

बरेली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), फरीदपुर में डी.एल.एड. 2025 बैच के प्रशिक्षुओं के लिए एक रोचक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधि का आयोजन किया गया। गतिविधि का उद्देश्य प्रशिक्षुओं में एकाग्रता, त्वरित निर्णय क्षमता, सतर्कता तथा टीम भावना का विकास करना था। गतिविधि का संचालन कक्षाध्यापक श्री श्रीकांत मिश्रा के निर्देशन में किया गया। इस दौरान सभी प्रशिक्षुओं को तीन समूहों—किसान, चोर एवं पुलिस—में विभाजित किया गया। इसके पश्चात कक्षाध्यापक द्वारा एक रोचक कहानी सुनाई गई। कहानी के दौरान जैसे ही "किसान", "चोर" अथवा "पुलिस" शब्द का उच्चारण होता, संबंधित समूह के सभी प्रशिक्षुओं को तुरंत खड़े होकर पुनः बैठना होता था। इस गतिविधि के माध्यम से प्रशिक्षुओं की एकाग्रता, त्वरित प्रतिक्रिया तथा समूह समन्वय का प्रभावी अभ्यास कराया गया। गतिविधि में डी.एल.एड. 2025 के सभी प्रशिक्षुओं ने पूरे उत्साह, अनुशासन एवं सक्रिय सहभागिता के साथ भाग लिया। अंत में कक्षाध्यापक ने बताया कि ऐसी गतिविधियाँ प्रशिक्षण को अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाने के साथ-साथ प्रशिक्षुओं के व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

टेक फॉर टीचर्स

शिक्षकों के लिए आधुनिक शिक्षण तकनीक शिक्षकों के लिए AI टूल- MagicSchool.ai

MagicSchool.ai एक अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) AI) प्लेटफॉर्म है, जिसे विशेष रूप से शिक्षकों के समय की बचत और शिक्षण प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के शिक्षकों को स्मार्ट AI टूल्स प्रदान करना है, जिससे वे पाठ योजना) Lesson Plan), क्विज़ और अध्ययन सामग्री मिंटों में तैयार कर सकें। यह शिक्षकों के लिए एक शक्तिशाली डिजिटल सहायक की तरह कार्य करता है।

शिक्षण व्यवस्था में शिक्षकों को पाठ योजनाएँ बनाने, वर्कशीट तैयार करने और मूल्यांकन प्रश्न पत्र लिखने में घंटों का समय लगाना पड़ता है। MagicSchool.ai ने इस पूरी प्रक्रिया को डिजिटल और बेहद तेज़ बना दिया है। इस प्लेटफॉर्म की मदद से शिक्षक किसी भी विषय, कक्षा और भाषा में मिनटों में व्यक्तिगत और गुणवत्तापूर्ण सामग्री तैयार कर सकते हैं। यह शिक्षकों के प्रशासनिक बोझ को कम करके उन्हें छात्रों पर अधिक ध्यान देने में मदद करता है।

वेबसाइट की मुख्य विशेषताएं-

- 60+ से अधिक समर्पित AI टूल्स :शिक्षकों के लिए विशेष रूप से बनाए गए 60 से अधिक टूल्स उपलब्ध हैं, जैसे –लेसन प्लान जनरेटर, रुब्रिक मेकर, और YouTube वीडियो से प्रश्न बनाने वाले टूल।
- समय की भारी बचत :जो सामग्री बनाने में पहले घंटों का समय लगता था, वह अब कुछ ही सेकंड में तैयार हो जाती है।
- यह टूल विभिन्न स्तर छात्रों के अनुसार पाठ सामग्री को आसान या कठिन बनाने की सुविधा देता है।
- बहुभाषी समर्थन) Multi-language Support): हिंदी, अंग्रेजी सहित कई भाषाओं में सामग्री तैयार करने और अनुवाद करने की सुविधा उपलब्ध है।
- छात्रों के लिए MagicStudent: शिक्षकों के साथ-साथ इसमें छात्रों के लिए भी सुरक्षित AI वातावरण) MagicStudent) उपलब्ध है, जहाँ वे सुरक्षित रूप से AI का उपयोग करके सीख सकते हैं।

शिक्षक इस प्लेटफॉर्म का उपयोग कैसे करें?

MagicSchool.ai का इंटरफ़ेस बेहद सरल और यूजर-फ्रेंडली है। शिक्षक नीचे दिए गए चरणों का पालन करके इसका लाभ उठा सकते हैं:

- वेबसाइट पर जाएं :अपने कंप्यूटर या मोबाइल ब्राउज़र पर www.magicschool.ai खोलें।
- नि:शुल्क साइन-अप) Sign-Up) करें :अपनी ईमेल आईडी) Email ID) या गूगल अकाउंट) Google Account) का उपयोग करके 'Sign Up for Free' पर क्लिक करें।
- टूल का चयन करें :लॉग इन करने के बाद अपनी आवश्यकतानुसार टूल चुनें) जैसे : Lesson Plan Generator, Quiz Generator आदि। (
- विवरण दर्ज करें :कक्षा) Grade), विषय) Subject) और टॉपिक दर्ज करें और 'Generate' पर क्लिक करें। आपकी सामग्री तैयार हो जाएगी!

नए सेशन की नई शुरुआत: इंटर्नशिप एवं स्वतंत्रता दिवस विशेषांक!

हमारे आगामी बुलेटिन के इस विशेषांक में आपका स्वागत है। इस बार हमारा यह अंक भावी शिक्षकों के स्कूल इंटर्नशिप के व्यावहारिक अनुभवों, शिक्षण कौशलों और स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय गौरव को समर्पित है। आइए, इस सफर की शुरुआत करते हैं हमारे सबसे पसंदीदा खंड से:

मनो - मंथन: The Mind Lab

ROUND 1: आउट ऑफ़ द बॉक्स

पारंपरिक सोच से हटकर कुछ अलग सोचने का वक्त है! आइए, इस बार के विशेष विशेषांक के सबसे बड़े पहेली से अपनी बुद्धिमत्ता को परखिए:

पहेली: "वह कौन सी 'किताब' है जिसके पन्ने नहीं होते, लेकिन हर छात्र उसे पढ़कर अपने भविष्य की इबाहत लिखता है, और वह कक्षा के ब्लैकबोर्ड पर हर रोज एक नए रूप में रची जाती है?"

(संकेत: इसका उत्तर किसी भौतिक वस्तु से नहीं, बल्कि एक शिक्षक के कक्षा-कक्ष के जीवंत अनुभवों और पाठ योजना से जुड़ा है।)

ROUND 2: ज्ञानचक्षु

एक कुशल भावी शिक्षक वही है जो कक्षा की प्रभावी शिक्षण विधियों और देश के इतिहास दोनों से भली-भांति परिचित हो। आइए इस महीने के विशेष विषय की तैयारी को परखिए और नीचे दिए गए 4 प्रश्नों के सही उत्तर दीजिए:

प्रश्न 1: भारत के पहले स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 1947) के दिन राष्ट्रध्वज किसने फहराया था?

(अ) डॉ. राजेंद्र प्रसाद

(ब) पंडित जवाहरलाल नेहरू

(स) सरदार वल्लभभाई पटेल

(द) महात्मा गांधी

प्रश्न 2: राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (NCTE) की स्थापना मुख्य रूप से किस उद्देश्य के लिए की गई थी?

(अ) केवल उच्च शिक्षा के वित्त पोषण के लिए

(ब) शिक्षक शिक्षा प्रणाली के नियोजित और समन्वित विकास के लिए

(स) केवल विद्यालयों में खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए

(द) प्रशासनिक कर्मचारियों के चयन के लिए

प्रश्न 3: विद्यालय आधारित इंटर्नशिप (School Internship) के दौरान भावी शिक्षकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण व्यावहारिक कौशल कौन सा है?

(अ) केवल पाठ्यपुस्तक के अध्यायों को पढ़ना

(ब) कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) और छात्र सहभागिता

(स) परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं घर ले जाकर जांचना

(द) केवल विद्यालय के कागजी रिकॉर्ड तैयार करना

प्रश्न 4: भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'स्वतंत्रता' के अंतर्गत किन मुख्य आयामों का उल्लेख किया गया है?

(अ) विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता

(ब) केवल व्यापार और व्यवसाय करने की स्वतंत्रता

(स) केवल अपने राज्य में घूमने की स्वतंत्रता

(द) इनमें से कोई नहीं

ROUND 3: कैंपस डिटेक्टिव

The Profile File: #004

नियम एवं निर्देश: नीचे दिए गए ऐतिहासिक और शैक्षणिक संकेतों की सहायता से पहचानिए कि इस बार का 'स्टार डिटेक्टिव' कौन बनेगा। सही उत्तर नीचे दिए गए लिंक/क्यूआर कोड (QR Code) के माध्यम से भरकर सबमिट करें!

आपके लिए संकेत (Clues):

संकेत 1: मैं स्वतंत्र भारत का पहला शिक्षा मंत्री था, और मेरे जन्मदिवस 11 नवंबर को भारत में 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' (National Education Day) के रूप में मनाया जाता है।

संकेत 2: मैंने देश में आधुनिक शिक्षा प्रणाली, साहित्य अकादमियों और उच्च शिक्षण संस्थानों की नींव मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी।

संकेत 3: मेरी एक बेहद प्रसिद्ध और चर्चित आत्मकथा का नाम **'India Wins Freedom'** है।

जवाब कैसे दें? (Scan & Win!)

नीचे दिए गए QR Code को अपने फोन से स्कैन करें।

गूगल फॉर्म में अपना नाम और संस्थान का नाम दर्ज करें।

अपना सही उत्तर लिखकर रोमांचक पुरस्कार जीतें!

क्या आप जानते हैं?

इस विशेष अंक में, जब हम अपनी भावी शिक्षक इंटर्नशिप पूरी कर रहे हैं और स्वतंत्रता का जश्न मना रहे हैं, तो आइए शिक्षा और इतिहास के कुछ रोचक और महत्वपूर्ण तथ्यों को जानें:

- **पहला ध्वजारोहण:** 15 अगस्त, 1947 को, भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दिल्ली के लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश को स्वतंत्रता मिलने की ऐतिहासिक घोषणा की थी।
- **गुरुकुल से इंटर्नशिप तक:** 'शिक्षक इंटर्नशिप' का आधुनिक विचार सदियों पुरानी 'गुरु-शिष्य परंपरा' का एक संरचित और औपचारिक रूप है, जहाँ ज्ञान व्यावहारिक अनुप्रयोग के माध्यम से दिया जाता है।
- **ध्वज की पहचान:** भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में बना 'अशोक चक्र', जो धर्म और कानून का प्रतीक है, सारनाथ स्थित अशोक के सिंह चतुर्मुख स्तंभ से लिया गया है, जिसमें 24 तीलियां हैं।
- **शिक्षा में नवाचार:** नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 में शिक्षकों की तैयारी के लिए चार साल के एकीकृत बी.एड. कोर्स में इंटर्नशिप को एक अनिवार्य और अभिन्न अंग बनाया गया है, जो कक्षा प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है।

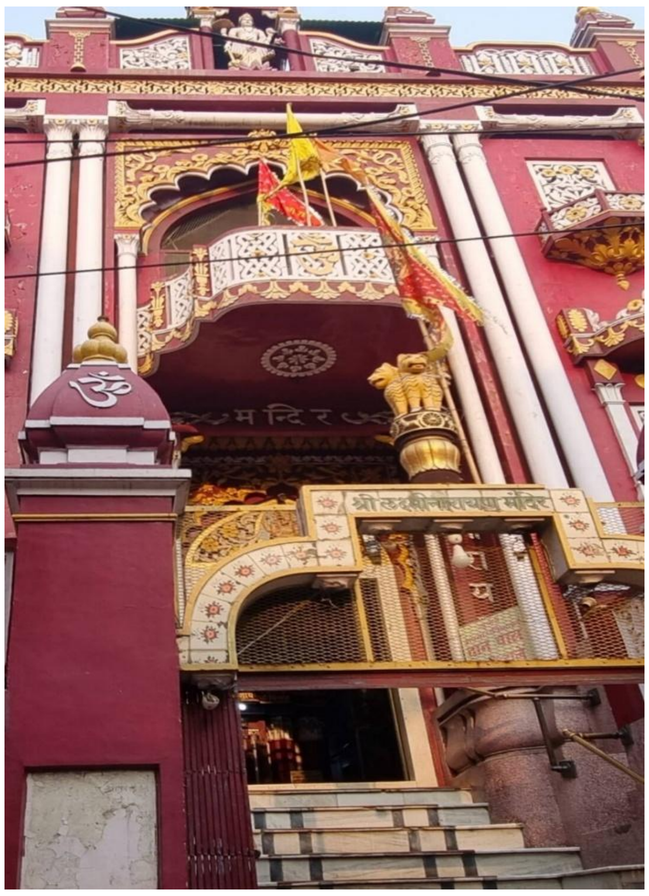

चुन्ना मियाँ का मंदिर

बरेली की पहचान केवल नाथ नगरी और उसके प्राचीन धार्मिक स्थलों से ही नहीं, बल्कि उसकी **गंगाजमुनी तहज़ीब और सांप्रदायिक सद्भाव-** से भी जुड़ी है। इस **भाईचारे** का एक अद्भुत और प्रेरणादायक उदाहरण है श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, जिसे आमतौर पर चुन्ना मियाँ का मंदिर कहा जाता है। यह मंदिर बरेली के इतिहास में **हिंदूमुस्लिम एकता-** की एक अनोखी मिसाल प्रस्तुत करता है।

इस मंदिर के निर्माण से प्रसिद्ध **मुस्लिम समाजसेवी फज़लुर्रहमान उर्फ़ चुन्ना मियाँ** का नाम जुड़ा हुआ है। उन्होंने धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर हिंदू समाज की आस्था का सम्मान किया और मंदिर के निर्माण में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। यही कारण है कि आज भी यह स्थान केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि मानवता, आपसी सम्मान और भाईचारे का जीवंत प्रतीक माना जाता है। चुन्ना मियाँ का योगदान यह संदेश देता है कि सच्ची सेवा का संबंध किसी एक धर्म से नहीं, बल्कि सभी की भावनाओं और आस्थाओं के सम्मान से होता है।

वर्तमान समय में यह मंदिर धार्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन के दृष्टिकोण से भी बरेली का एक प्रमुख आकर्षण बन रहा है। इसकी अनूठी कहानी, सुंदर मंदिर परिसर और हिंदूविदेश से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को आकर्षित करती है। त्योहारों -मुस्लिम एकता से जुड़ी विरासत देश- और विशेष अवसरों पर यहाँ का वातावरण विशेष रूप से जीवंत दिखाई देता

शिवांग शर्मा (डी.एल.एड 2025)

बियावानी कोठी

बरेली की ऐतिहासिक बियावानी कोठी (जिसे बियाबनी कोठी भी कहते हैं) का निर्माण **1920** में साहू गोपीनाथ के पुत्रों द्वारा करवाया गया था। यह एक महल जैसी खूबसूरत और भव्य इमारत है। इतिहास और नामकरण निर्माणः इसे साहू राम नारायण, साहू राम भरोसे लाल और साहू राम स्वरुप ने 1920 में बनवाया था।बियावान इलाकाः उस समय इस जगह के आसपास सिर्फ घना जंगल, बियावान (सुनसान) और वीरान रास्ता हुआ करता था। नाम पड़ाः सुनसान और जंगल के बीच स्थित होने के कारण स्थानीय लोग इसे 'बियावान की कोठी' कहने लगे, जो बाद में बदलकर 'बियावानी कोठी' या 'बियाबनी कोठी' के रूप में प्रसिद्ध हो गई। पारिवारिक पृष्ठभूमि साहू परिवारः 1870 के दशक में एक साधारण मुनीम के रूप में कार्य करने वाले गोपीनाथ के पुत्रों ने अपनी मेहनत और अंग्रेजी ज्ञान के बल पर अपनी किस्मत बदली।

सफलताः इस परिवार ने व्यापार के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की और बाद में धामपुर शुगर मिल समेत कई बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान स्थापित किए। वास्तु कला और महत्व भव्य संरचनाः यह कोठी अपने समय की बेहतरीन वास्तुकला का एक उत्कृष्ट नमूना है। विरासतः बियावानी कोठी बरेली शहर की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों में गिनी जाती है।

मधु पटेल
डी. एल. एड 2025

जरी-जरदोजी

बरेली की समृद्ध सांस्कृतिक और हस्तशिल्प विरासत में जरी-जरदोज़ी का विशेष स्थान है। महीन धागों, चमकदार जरी और बारीक कढ़ाई से तैयार होने वाली यह कला सदियों पुराने भारतीय शिल्प की पहचान है। बरेली के कुशल कारीगर अपनी मेहनत, धैर्य और अद्भुत कल्पनाशीलता से कपड़ों पर ऐसे आकर्षक डिज़ाइन उकेरते हैं, जो पारंपरिक सुंदरता और आधुनिक फैशन का अनूठा संगम प्रस्तुत करते हैं।

जरी-जरदोज़ी के काम से सजी साड़ियाँ, लहंगे, शेरवानी, दुपट्टे और अन्य परिधान विशेष अवसरों, विशेषकर विवाह समारोहों में खूब पसंद किए जाते हैं। बरेली के कई कारीगर परिवार पीढ़ियों से इस कला को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके हाथों की बारीकी हर डिजाइन को अलग पहचान देती है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा करती है।

आज बदलते फैशन के दौर में बरेली की जरी-जरदोज़ी नए डिज़ाइनों और आधुनिक परिधानों के माध्यम से अपनी पहचान और मजबूत कर रही है। इसकी चमक स्थानीय बाजारों से निकलकर देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुँच रही है और कला प्रेमियों व पर्यटकों को भी आकर्षित करती है।

हिमानी
डी. एल. एड 2025

क्रिएटिव टीम, डीएलएड 2025

कलम हमारी, देश हमारा

ना सरहद पर तैनात सही, ना हाथों में तलवार है,
पर इस देश की तकदीर बदलना, मेरा भी तो अधिकार है!
D.El.Ed. का बस्ता लेकर, हम कुछ नया रोज पढ़ाते हैं,
हम क्लासरूम के कोने में, नया इतिहास बनाते हैं।
फौलादी हो जिनके इरादे, वो बच्चे हमको गढ़ने हैं,
अंधियारों से लड़कर हमको, सूरज जैसा चढ़ना हैं।
जो कल तक कोरा कागज थे, उनको ज्ञान सिखाना है,
हर एक छोटे बच्चे को, भारत की शान बनाना है।
ये चाक नहीं है हाथों में, ये ढाल हमारी ताकत है,
हर बच्चे की हर इक तरक्की, इस देश की सच्ची चाहत है।

आदर्श शर्मा, डीएलएड 2025

खुशी सिंह, डीएलएड 2025

क्रिएटिव टीम, डीएलएड 2025

इंटर्नशिप मंथ विशेष: रचनात्मक शिक्षण सामग्री

खुशी सिंह, डीएलएड 2025

खुशी सिंह, डीएलएड 2025

आयुषी, डीएलए

आमेर फोर्ट का बगीचा, जयपुर, राजस्थान

जसवंत थाड़ा, जोधपुर, राजस्थान

मन मंदिर पैलेस, जैसलमेर, राजस्थान

सौजन्य से: कविता सिंह, डी.एल.एड 2025

ताज महल, आगरा

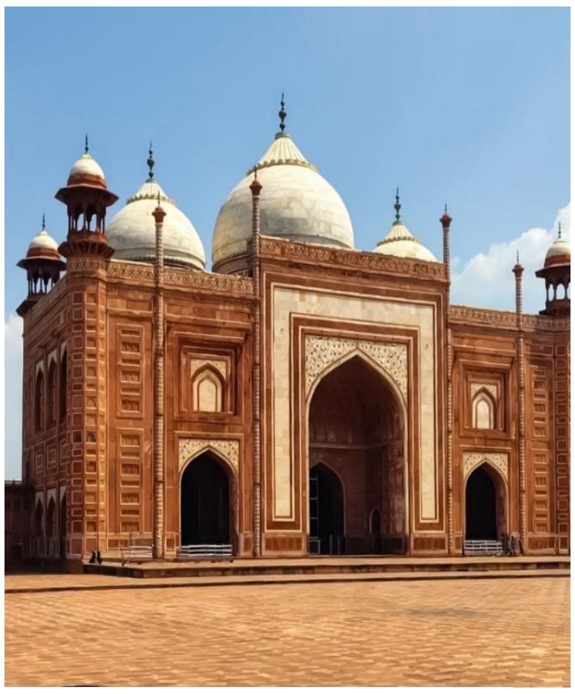

ताज महल(मेहमन खाना), आगरा

छत्रपति शाहूजी महाराज, आंबेडकर मेमोरियल कॉम्प्लेक्स,

सौजन्य से: मो. सादान, डी.एल.एड 2025

राधा कृष्ण की मूर्ति, प्रेम मंदिर, वृंदावन

सौजन्य से: लोकेश मौर्या, 2025

राम वाटिका, बरेली

सौजन्य से: आयुषी, डीएलएड 2025

पशुपति नाथ मंदिर, बरेली

सौजन्य से: आयुषी, डीएलएड 2025

बुलेटिन टीम

- **मुख्य संरक्षक:**
  श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा, अपर मुख्य सचिव, वित्त, माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
- **प्रेरणा:**
  श्रीमती मोनिका रानी, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा / राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
- **मार्गदर्शन:**
  श्री गणेश कुमार, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
- **प्रोत्साहन:**
  डॉ० पवन कुमार, संयुक्त निदेशक (एस०एस०ए०), राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
- **निर्देशन:**
  श्री राजेश कुमार, प्राचार्य, ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, फरीदपुर, बरेली।
- **सह–निदेशन:**
  श्रीमती दीप्ति वार्ष्णेय, उप प्राचार्य, ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, फरीदपुर, बरेली।
- **सहयोग:**
  श्री मनोज कुमार, वरिष्ठ प्रवक्ता, ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, फरीदपुर, बरेली।
  श्री प्रेम सुख गंगवार, वरिष्ठ प्रवक्ता, ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, फरीदपुर, बरेली।
  श्री सुनील कुमार, वरिष्ठ प्रवक्ता, ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, फरीदपुर, बरेली।
- **संपादक एवं समन्वय:**
  डॉ फ़हमीना, प्रवक्ता, ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, फरीदपुर, बरेली।
- **संपादकीय मंडल–**
  श्री कृष्ण कुमार, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बरेली।
  श्रीमती अर्चना, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बरेली।
  श्री श्रीकान्त मिश्रा, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बरेली।
  डॉ0 रूबी, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बरेली।
  श्रीमती वंदना सहाय , प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बरेली।
- **प्रशिक्षु समन्वयक एवं डिजिटल सपोर्ट टीम –**

अरबाब रजा खां, प्रशिक्षु, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बरेली।

कविता सिंह, प्रशिक्षु, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बरेली।

- **प्रशिक्षु संपादकीय मंडल टीम–**

मो सादान

अनुज सिंह

शिवंम यादव

आदर्श शर्मा

शिवांग शर्मा

तरन्नुम

फहमीना

अंजुम बी

हिमानी

आयुषी

कृतिका तिवारी

सानिया अंसारी

खुशी

सुप्रीत

अंशू

शाहनूर

सताक्षी गंगवार

तय्यबा

गुनगुन

अनू तोमर

रानी यादव